

11/11

प्रतिदस्तावेजित करता है।

मानक बर्तों से से सहमत है तथा उपरोक्त बर्तों का अनुपालन करते हैं।
से प्रमाणित करता है कि मुझे/मेरे विभाग से सम्बन्धित उपरोक्त सभी
पालन कर लिया जाय अथवा समुचित स्तर से आवरण प्राप्त हो जाय।

18. वन मॉडि का वास्तविक स्थानान्तरण तभी किया जाय जब उक्त बर्तों का पूरा-पूरा
याचक विभाग को मान्य होगी।

17. उपरिलिखित मानक बर्तों के अतिरिक्त यदि भारत सरकार द्वारा अथवा वन
विभाग द्वारा किसी विशिष्ट प्रकार में कोई अन्य बर्त लगायी जाती है तो वे
स्वीकृत करायेंगे।

16. यदि नहर आदि निर्माण में संरक्षण की सम्भावना होती है और नहर की दोनो
पट्टियों को पक्का करना आवश्यक समझा जाता है तो ऐसा याचक अपने व्यय से
जायगी। जिस पर सम्बन्धित वन संरक्षक का अनुमोदन आवश्यक है।

15. वन मॉडि के उपर से विद्युत लाइन ले जाने में यथा सम्भव बर्तों का कटान नही
किया जायगा तथा खम्बों को ऊँचाई करके इसे सुनिश्चित किया जायगा। यदि
फिर भी बर्तों का कटान अनिवार्य प्रतीत होता है तो न्यूनतम बर्तों की संख्या
संयुक्त स्थल निरीक्षण करके सम्बन्धित उप वन संरक्षक द्वारा निश्चित की
जायगी। जिस पर सम्बन्धित वन संरक्षक का अनुमोदन आवश्यक है।

14. दस्तावेजित मॉडि में पड़ने वाले बर्तों के प्रतिकर में याचक विभाग द्वारा दस्तावेजित
मूल्य देय होगा।
पड़ने का पालन भी वर्जित है। ऐसे बर्तों का निर्णय वन संरक्षक स्तर पर ही हो
आधिक बाल पर खड़े बर्तों का पालन का निषिद्ध है। इसी प्रकार बाज (आक) के
किया जाय, का भ्रमान वन विभाग को करना होगा। 1000 मीटर एवं 30 से
का रोपण तथा तीन वर्ष तक परिपोषण व्यय जो भी वन विभाग द्वारा निर्धारित
मॉडि के समस्त बर्तों का भ्रमान अथवा एक बर्त के स्थान पर दस बर्तों
14. दस्तावेजित मॉडि में पड़ने वाले बर्तों के प्रतिकर में याचक विभाग द्वारा दस्तावेजित
मूल्य देय होगा।

13. वन मॉडि पर खड़े बर्तों का निस्तारण वन विभाग द्वारा उचित समझें द्वारा किया
जायगा। यदि किसी कारण से बर्तों का निस्तारण वन विभाग द्वारा सम्भव न हो
अथवा अन्य कोई उपयुक्त प्रक्रिया जो वन विभाग उचित समझें द्वारा किया
क आधर पर आकलित होगा जो याचक विभाग को मान्य होगा।

12. वन मॉडि का मूल्य सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त मूल्य सम्बन्धी प्रमाण पत्र
का निर्माण भी आवश्यक है।

फर-बदल कर पक्का करना याचक विभाग के खर्च से पर्याप्त न होगा और सड़क
यह भी प्रमाण पत्र दिया जायगा कि अथवा मार्ग बनाना अथवा वन मार्ग का मार्मर्ग
द्वारा किया जायगा। सार्वजनिक निर्माण द्वारा पर्वतीय क्षेत्र के सम्बन्ध में
दिनांक 10.02.82 में निहित आदेशों का पालन भी "सार्वजनिक निर्माण विभाग"